

## कमसिन लड़की की मोटे लंड की चाहत-9

“मेरा दिन रात चुदवाने का मन करता रहता है,  
लगता है कि कोई भी मर्द आये और बस मेरे जिस्म को  
मसलने लगे और मेरे मुँह में अपना लंड डाल दे, फिर  
चूत का और गांड को इतना चोदे कि मुझे कुछ होश  
नहीं रहे. ...”

Story By: vandhya (vandhyap)

Posted: Saturday, August 25th, 2018

Categories: [चुदाई की कहानी](#)

Online version: [कमसिन लड़की की मोटे लंड की चाहत-9](#)

## कमसिन लड़की की मोटे लंड की चाहत-9

अब तक की इस चुदाई की कहानी में आपने पढ़ा कि चाचा और मनोहर दोनों मेरी गांड और चूत में लंड घुस्से हुए मुझे धकापेल चोद रहे थे.

अब आगे..

मनोहर ने अपने लंड को मेरी चूत में अन्दर बाहर करना शुरू किया, उधर चाचा भी मेरी गांड में अपना लंड जड़ तक घुसा दे रहे थे. फिर उसे पूरा अन्दर डाल के बाहर निकाल लेते.

मुझे बहुत अजीब सी सुरसुराहट हो रही थी. अब सारा का सारा दर्द पता नहीं कहां चला गया. ऐसी सेक्सी गुदगुदी महसूस होने लगी कि मुझे कुछ होश नहीं रहा कि मैं कहां हूं. दो-तीन मिनट बाद मैं अपनी कमर उछालने लगी, पता नहीं दर्द कहां गायब हो गया, मुझे खुद समझ नहीं आया.

मैं चाचा को बोली- चाचा मुझे कुछ होने लगा है.. बहुत सुरसुरी गुदगुदाहट हो रही है.. आपने यह क्या करवाया मुझे बहुत अच्छा लग रहा है.. आह चाचा कुछ करिये ऐसा कि मैं नार्मल हो जाऊं.. आप तीनों को जो भी करना है, जल्दी करो मेरा पूरा जिस्म अकड़ने लगा है. मेरे बदन को मसल दो. अब मैं पागल हो रही हूं चाचा, क्या बताऊं कैसे बताऊं कैसा फील हो रहा है अब, आज के पहले कभी ऐसा महसूस नहीं हुआ, पहली बार ऐसा महसूस हो रहा है कि मैं बहुत चिल्ला कर गंदी बातें गंदी गालियां दूं और मुझे अब कुछ लिहाज नहीं है, तुम तीनों बुरा नहीं मानना.. मैं पागल हो रही हूं.

चाचा बोले- वन्द्या, इसी आनन्द के बेपनाह मजे के लिए तो लड़की चुदाई करवाती है और मर्द इसी पागलपन के लिए चोदते हैं. अब तू सब भूल जा वन्द्या और बिल्कुल बाजारू रांड

हो जा, जितनी गंदी गालियां, गंदी बातें बोल सकती है, खुलकर बोल.. उसी में तुझे आज जन्म मिलेगी. बिल्कुल जानवर बन जा वन्द्या बहुत मजा आएगा, तुझे भी हम तीनों को भी. हम तीनों भी बस तुझे चोदते हुए पागल ही हो रहे हैं.. तू भी हम तीनों की किसी बात का बुरा मत मानना.

मैं बोली- नहीं, मैं भी बुरा नहीं मानूंगी मुझे जो भी बोलना है बोलो.. और जो करना है, जैसे भी करना है, करो. अब मुझसे रहा नहीं जाता.

तभी चाचा बोले- साली वन्द्या, तू बहुत बड़ी रंडी है.. तुझे आज हम तीनों बहुत चोदेंगे अपनी रखैल बना लेंगे.. बता बनेगी हमारी रखैल ?

मैं बोली- हां चाचा, बनूंगी तुम्हारी रखैल आज से अभी से.. मेरे अन्दर बहुत जलन हो रही है.

चाचा पूछने लगे- कहां जलन हो रही है ?

मैं बोली- चूत और गांड दोनों जगह हो रही है.

मनोहर लंड ठेलते हुए बोला- अब नहीं होगी मेरी जान.

वो मेरे बाल पकड़ कर अपने लंड से जोर जोर से धक्के चूत में मारने लगा. मैं जोर-जोर से आवाज करने लगी 'ऊंहहह उम्ह... अहह... हय... याह... वोहहहह...'

मैं बोली- मनोहर और अन्दर लंड डाल कुत्ते भड़वे.. और घुसा जोर से बहुत मस्त चोदता है.

तभी दिनेश अपना लंड पकड़ के मेरे मुँह में डाल कर बोला- तुझे चुदते देख कर वन्द्या मुझसे बर्दाश्त नहीं हो रहा है. ले मेरा लौड़ा खड़ा है, इसे चाट और चूस.

ऐसा कह के मेरे मुँह में पूरा अन्दर डाल के गले तक उतार दिया. मुझे खांसी आने लगी. तब थोड़ा बाहर निकाला और फिर अन्दर बाहर करके मेरे मुँह को दिनेश चोदने लगा.

उधर मैंने थोड़ी गांड को पीछे किया तो चाचा जोर-जोर से गांड में मेरे लंड डालकर थूक लगाकर गांड में चोदने लगे.

अब मेरे गांड में और चूत में पूरा अन्दर तक लंड घुसा रहे थे. मैं मनोहर को पकड़ कर और अपनी बांहों में जकड़ कर उससे बोली- आह मस्त चोदता है तू.. मैं तुझसे ही चुदवाऊंगी, तू भले ही किसी भी जाति का रहे, मैं तेरी रखैल बन जाऊंगी बस कुतिया की तरह मुझे जमके चोद मनोहर साले हरामी.

मैं चाचा को भी बोली- चाचा, अभी से मैं तेरी रखैल बन गई.. जमके और चोद मुझे मेरी गांड को आज अपने लंड की गुलाम बना दे.. ऊंहहह मेरे चाचा जोर जोर से धक्का लगा.

अब मेरे तीनों तरफ लंड घुस चुके थे. दिनेश मेरे मुँह के अन्दर लंड डाल कर बहुत तेजी से अन्दर बाहर कर रहा था और जमके मेरे मुँह को चोद रहा था. पीछे चाचा मेरी कमर को कस के पकड़ कर गांड में लौड़ा डाले जमके अन्दर बाहर कर रहे थे. जैसे ही चाचा अन्दर बाहर करते, मुझे बहुत मजा आने लगता था.

मुझे कुछ होश नहीं रहा, तभी मनोहर पूरी ताकत से अपना लंड मेरी चूत में घुसा के अन्दर बाहर करने लगा और बोला- वन्द्या, तू आज से मेरी बीवी है और मैं तुझे रोज चोदूंगा ऐसे ही साली मादरचोदी कुतिया वन्द्या, तू बहुत बड़ी रंडी है, तुझे चोद चोद के मैं सब तरह से रंडी बना दूंगा. बता चलेगी मेरे साथ, जहां मैं बोलूंगा, ऐसे ऐसे लंड से चुदवाऊंगा कि तेरी लाइफ में कभी सोच नहीं सकती, वो सभी फौलादी मर्द होंगे.

मुझे सारी बातें बहुत सेक्सी और मजेदार लग रही थीं. मेरा जोश और बढ़ रहा था मैंने मनोहर को अपनी बांहों में कस के पकड़ लिया और बोली- हां मेरे राजा, चलूंगी तेरे साथ, जहां तू बोलेगा, तू मुझे अपनी बीवी आज से अभी से मान लें, तू बहुत हरामी है मादरचोद मनोहर क्या मस्त चोदता है.. आह मनोहर अपना पूरा लौड़ा अन्दर मेरी चूत में घुसा दे

और घुसा आहहहह वोहहहह मनोहर मुझे बिल्कुल तेरे जैसे लंड की जरूरत थी, तुम तीनों बहुत मस्त हो.. तुम तीनों साले कुत्तों.. मेरे को चोद चोद के छिनाल बना दो.. हरामियों क्या गजब की चुदाई करते हो.

चाचा बोले- मेरा लौड़ा अब अकड़ रहा है इस वन्द्या कुतिया को और चोदना था, पर अब लगता है मैं खाली होने वाला हूं. मेरा लंड रस निकलने ही वाला है, तुम दोनों जवान हो, इसे चोदते रहना और चोद चोद के ऐसा बना दो कि वन्द्या बिना हम लोगों से चुदवाए रह ही नहीं पाए.

मैं बोली- चाचा पूरा डालो गांड में और जमकर चोदो, अभी मत निकालना चाचा.. मेरा बहुत मन कर रहा है. मुझे चोद चोद कर बेहोश कर दो.

चाचा ने एकदम से मेरे दोनों मम्मों को पीछे से पकड़ कर कसके दबाने लगे. चाचा अकड़ कर मेरी गांड में जोर-जोर से लंड घुसाने लगे. मेरे मुँह से 'उंहहह उंहहह ओह..' की आवाज अपने आप निकलने लगी.

चाचा मुझसे बोले- अब मेरा लंड रस निकल रहा है.. तेरे कहां डाल दूं वन्द्या.. तू बता ? मैं बोली- मुझे कुछ नहीं पता.. जहां तेरे को ठीक लगे चाचा.. और जहां ज्यादा मस्त लगे.. वहीं अपना लंड रस भर दे.

तभी चाचा मेरी गांड में जोर से अपना गरम गरम लंड का रस डालने लगे. मेरी गांड के अन्दर गरम रस लंड का अहसास मैं बता नहीं सकती, पर बहुत ही मस्त लग रहा था. मैं बिल्कुल मदहोश हो गई और चाचा खाली होकर थक कर बेहोश की तरह मेरी पीठ से लिपट गए.

चाचा हांफते हुए बोले- आह.. साली तू बहुत बड़ी रंडी है वन्द्या.

वे मेरी पीठ पर पांच मिनट तक लिपटे पड़े रहे. फिर मेरी पीठ को चूमते हुए उठकर मुझसे अलग हो गए.

चाचा बोले कि पिछले पचास साठ वर्षों में मुझे इतना मजा कभी नहीं आया, तू लाजवाब है वन्द्या. इतनी खूबसूरत और इतनी सेक्सी लड़की मैंने कहीं नहीं देखी.

दिनेश को चाचा बोले- दिनेश तू वन्द्या की गांड मार ले.. गांड में अपना लंड डाल कर इसकी गांड मार.. वन्द्या से मस्त गांड इस दुनिया में किसी की नहीं हो सकती. तेरी लाइफ बन जाएगी दिनेश.. अपने लंड से ये मौका मत जाने दे. जिसने वन्द्या की गांड सिर्फ देख ली उससे सौभाग्यशाली मर्द कोई नहीं.. और जिसको वन्द्या की गांड चोदने को मिल गई, समझो उसका जीवन सफल हो गया.

इतना सुनते ही दिनेश ने मेरे मुँह से अपना लंड बाहर निकाल कर सीधे उठकर मेरे पीछे पीठ की तरफ आके मेरे से लिपट गया और उसने अपना लंड मेरे कूल्हों को फैला कर गांड के छेद पर रख दिया.

चाचा दो मिनट पहले ही मेरी गांड में अपना लंड रस खाली किया था, वही चाचा के लंड रस की चिकनाहट थी. दिनेश का लंड एक मिनट के अन्दर पूरा अन्दर मेरी खुली हुई गांड में चला गया. फिर भी दिनेश और ताकत लगा रहा था कि उसका पूरा लौड़ा मेरी गांड में घुस जाता.

इधर मेरी चूत में लंड लगाए मनोहर बोला कि वन्द्या तुम बहुत बड़ी छिनाल रंडी बनोगी और यह धंधा तुम्हें बहुत सूट करेगा.. तुम बहुत बड़ी वाली चुदकड़ लड़की हो. आज से तू मेरी बीवी है मैं तेरी हर दिन बहुत जोर जोर से चुदाई किया करूंगा. फिर अपने दोस्तों से भी चुदवाया करूंगा.

ये कहते हुए मनोहर मेरी गर्दन पकड़ कर जोर जोर से मुझे चोदने लगा. वो लगातार मेरी

चूत पर धक्के मार रहा था. तभी दिनेश पीछे अपना पूरा लंड गांड में अन्दर तक डाल दिया. लंड रस की चिकनाहट के कारण पूरा का पूरा लंड अन्दर गांड में बड़े ही मस्त तरीके से घुस रहा था. मेरी गांड से फच फच की आवाज भी आने लगी.

दिनेश मुझसे बोला- तू बहुत मस्त रंडी है.. इतनी चुदासी है तू वन्द्या फिर रोज बिना चुदवाये तू कैसे रह पाती होगी.

मैं बोली- तू सच कह रहा है, मेरा दिन रात चुदवाने का मन करता रहता है, लगता है कि कोई भी मर्द आये और बस मेरे जिस्म को मसलने लगे और मेरे मुँह में अपना लंड डाल दे, फिर चूत का और गांड को इतना चोदे कि मुझे कुछ होश नहीं रहे. ये सब अभी कुछ महीने से ऐसा लगने लगा है, जब से कमलेश सर ने सेक्सी कहानियां पढ़ने के लिए वो पुस्तकें और मैगज़ीन मुझे दी हैं.

मनोहर बोला- तेरा कमलेश सर, वही ट्यूशन वाला.. भोसड़ी वाले ने बहुत सही काम किया है. तू वन्द्या बिल्कुल चिंता मत कर, हम तुझे मौका मिलते ही चोद दिया करेंगे.. बता ठीक है चुदवायेगी न रोज ?

मैं बोली- साले कुत्तो, तुम बहुत मस्त चोदते हो.. तेरी बीवी जैसी हूं मनोहर और इन दोनों चाचा और दिनेश की रखैल बन गई हूं. मुझे ऐसे ही रोज चोदना और मेरी चूत और गांड में अपने ये मस्त लंड डाले ही रहना. मैं तुम तीनों से रोज चुदवाऊंगी और जहां बोलोगे, वहां चुदवाने चले चलूंगी.

मैं इस वक्त ये जो भी बोल रही थी, बिल्कुल मदहोशी में बोले जा रही थी. मुझे कुछ होश और समझ नहीं थी कि मैं क्या बोल रही हूं.

मेरी बातें सुनकर सुनकर मनोहर और दिनेश फुल एक्साइटेड हो गए. मनोहर मेरे होंठों को अपने होंठों और जीभ से रगड़ने लगा और चूसने लगा.

तभी दिनेश पीछे मेरी गांड में तेजी से अपना लंड चलाने लगा. अन्दर बाहर करने लगा और जमके मेरी गांड चुदाई करने लगा. मेरी गांड से फच फच फच की आवाज रूम में गूँजने लगीं. दिनेश ने मेरी कमर को पकड़ा तो मैंने अपनी कमर और उठा दी. इससे मेरी गांड ऊपर हो गई, तो दिनेश मेरी गांड में और जोर से धक्के मारने लगा.

अब गांड में दिनेश का लंड जड़ तक पहुंचने लगा, जिससे मैं बिल्कुल पागल हो गई और चिल्लाने लगी- आह.. जोर जोर से चोद साले.. और अन्दर तक डाल मादरचोद दिनेश.. अपना लंड पेल.. फाड़ दे मेरी गांड मादरचोद और घुसा साले कुत्ते.. तेरी छिनाल बीवी हूं.. चोद कमीने जितना चोद सकता है...

वो लंड ठोकने लगा, मैं भी अपनी कमर उठा कर बोली- दिनेश आह.. और डाल बहुत मजा आ रहा है तेरा लंड बहुत मस्त है और मेरी गांड फट जाए ऐसे चोद...

ऐसा मैं जब कहने लगी तो दिनेश और जोश में आकर मेरी गांड में अपनी पूरी ताकत से लंड डालकर बोला- तू साली रंडी है एक नंबर की.. तेरे को आज चोद चोद कर मैं तेरी गांड का भुर्ता बना दूंगा.

तभी मैं उससे बोली- हां दिनेश ऐसे ही जमके चोद.. तभी मेरी प्यास बुझेगी और जोर से अपनी रखैल को चोद कुत्ते.. तेरा लौड़ा बहुत मस्त है, लगता है बस तू मुझे चोदता ही रहे उंहहह उंहहह उंहहह दिनेश आहहहह.. मेरे कुत्तों और चोदो.. मेरी गांड को यूं ही रगड़ कर हर पल अपने लंड से तू चोदते रहना दिनेश मुझे बहुत मजा आ रहा है.

बस मैं अपने मुँह ऐसी आवाजें निकाल रही थी. इधर मेरी चूत में मनोहर काफी देर से अपना लंड डाले जमके मेरी चुदाई कर रहा था. पर अब उसने अपने लंड की स्पीड एकदम से बढ़ा दिया और मेरे मम्मों को पूरी ताकत से दबाता और चूसता हुआ लंड पेले जा रहा था.



इसके साथ वो मुझे इतनी गंदी गंदी गालियां और बातें बोल रहा था कि मेरे होश और जोश दोनों में बिल्कुल आग लग रही थी.

मनोहर बोला- वन्द्या तू बहुत बड़ी रंडी है तेरी चूत बिल्कुल जन्नत से भी ज्यादा मजे दे रही है, क्या मस्त गर्माहट तेरी चूत में है.. तुझे तो बिल्कुल रंडी की तरह 5-10 लंड एक साथ चोदें, तब तेरी प्यास बुझेगी.

वो मेरे होंठों को अपने होंठों से चाटने लगा और जोर जोर से धक्का लगाने लगा.

मेरी चुदाई की कहानी वासना से सराबोर कर देने वाली है, आप अपने मेल मुझे भेज सकते हैं.

vandhyap13@gmail.com

कहानी जारी है.

